भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **2706** जिसका उत्तर

मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 (20 श्रावण, 1948 (शक)) को दिया जाना है

महानदी पर अंतर्देशीय जल परिवहन

2706 श्री देबाशीष सामंतराय:

क्या पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का, विशेषकर कटक एवं पारादीप को कवर करते हुए, महानदी नदी पर, अंतर्देशीय जल परिवहन के विकास का कोई प्रस्ताव है;

(ख) ऐसे प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) इसके लिए कितनी निधि आवंटित की गई है; और

(घ) कार्गो की ढुलाई तथा पर्यटन के क्षेत्र में इससे होने वाले अपेक्षित लाभ क्या-क्या हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (घ): केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार ने तालचेर और अंगुल के खनिज-समृद्ध क्षेत्रों और कलिंगा नगर जैसे औद्योगिक केन्द्रों को पारादीप और धामरा के पत्तनों के साथ जोड़ने के लिए ओडिशा में राष्ट्रीय जलमार्ग-5 के प्रचालन की घोषणा की है जिसमें महानदी डेल्टा नेटवर्क शामिल हैं। भारतीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्लूएआई), एक स्वयायत निकाय ने 13,096 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत पर रा.ज.-5 के विकास के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की हैं। रा.ज.-5 के विकास से सड़क और रेल से मोडल शिफ्ट द्वारा कार्गो आवाजाही में भीड़ को कम करने के लिए पर्यावरणीय अनुकूल और किफ़ायती अंतर्देशीय जलमार्ग की ओर परिवर्तन अपेक्षा हैं।

आईडब्लूएआई ने महानदी नदी के किनारे 07 अवस्थितियों अर्थात धुबलेश्वर, नराज, बालीपुट, बादमुल, कमलदिहा, कांटिलो (भितरकनिका मंदिर और नीलामाधवा मंदिर) पर नदी क्रूज़ पर्यटन और स्थानीय समुदायों के लिए जेट्टियों के निर्माण का भी प्रस्ताव किया हैं, जिससे नदी-आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिलता है, यात्री संपर्कता में सुधार होता है, स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसरों का सृजन होता है और इस क्षेत्र के सम्पूर्ण सामाजिक-आर्थिक विकास में मदद मिलती हैं।

****